आई. टी. एल. पब्लिक स्कूल	
एस. ए. 1 (2014 – 15)	
हिंदी Set A उत्तर पत्रक	
तिथिः **24.9.14**	कक्षा ः छठी
समयः **3** घंटे	कुल अंक–**90**

आवश्यक निर्देश—

*आवश्यक निर्देश: पठन भाग क के अंतर्गत वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए **0.5** अंक काटे जाएँगे तथा उत्तर अपूर्ण होने पर भी **0.5** अंक काटे जाएँगे।*

भाषा भाग ख में वर्तनी या वाक्य रचना संबंधी गलती होने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।

*साहित्य भाग ग में वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए प्रत्येक पाँच अशुद्धियों के लिए **1** अंक काटा जाए। लेखन भाग घ में उत्तर की गुणवत्ता,रचनात्मकता,लेखन क्षमता तथा सभी आवश्यक बिंदुओं के समावेश के आधार पर समग्र रूप से जाँचकर अंक दिए जाएँगे।*

	खंड – क पढ़ना	
1 क)	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः**	
	परिश्रम आदर्श जीवन का मूल मंत्र है।मनुष्य का जीवन संघर्षों से भरा है। यदि जीवन में संघर्ष और असफलता न हो, तो सफलता के आनंद की सच्ची अनुभूति भी नहीं हो सकती। पराजय होने पर भाग्य को दोषी ठहराना और प्रयास न करना , पतन की ओर ले जाता है। यदि मनुष्य में सच्ची लगन हो और वह असफलता के कारणों को ढूँढ़कर नए उत्साह के साथ ईमानदारी से प्रयास जारी रखे , तो उसे सफलता मिलना निश्चित है। कहा जाता है कि परिश्रमी और दृढ़ इच्छाशक्ति वाला मनुष्य कभी असफल नहीं होता है।दूसरी ओर मन से हार जाने वाला व्यक्ति असफल होने पर आरंभ से ही गलत तर्क गढ़ने लग जाता है और आलसी बनकर अपने भाग्य और जीवन को कोसता रहता है।जीवन में सफलता पाने के लिए कठिन से कठिन परिस्थिति में भी हिम्मत , साहस और धैर्य बनाए रखना चाहिए।यदि मनुष्य मन लगाकर परिश्रम करे तो संसार में कुछ भी असंभव नहीं है। कर्मवीर मनुष्य असंभव को भी संभव कर दिखाते हैं।वे समय का सदुपयोग करते हुए परिश्रम के द्वारा जीवन को सार्थक बनाते हैं।	
	(क) यदि जीवन में असफलता न हो तो क्या अनुभव नहीं होगा?	**2**
	(ख) कैसा मनुष्य कभी असफल नहीं होता है?	**1**
	(ग) मन से हार जाने वाला व्यक्ति असफल होने पर क्या करता है?	**2**
	(घ) कर्मवीर मनुष्य कैसे होते हैं?	**2**
	(ङ)'कोशिश' और 'खुशी' का समानार्थक शब्द गद्यांश में से लिखिए।	**2**
	(च)'आलसी' और 'विजय' का विलोम शब्द गद्यांश में से लिखें।	**2**
	(छ)इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।	**1**
उत्तर	(क) यदि जीवन में असफलता न हो तो सफलता के आनंद की सच्ची अनुभूति भी नहीं हो सकती। (ख) परिश्रमी और दृढ़ इच्छाशक्ति वाला मनुष्य कभी असफल नहीं होता है। (ग) मन से हार जाने वाला व्यक्ति असफल होने पर आरंभ से ही गलत तर्क गढ़ने लग	

	जाता है और आलसी बनकर अपने भाग्य और जीवन को कोसता रहता है। (घ) कर्मवीर मनुष्य असंभव को भी संभव कर दिखाते हैं। वे समय का सदुपयोग करते हुए परिश्रम के द्वारा जीवन को सार्थक बनाते हैं। (ङ) प्रयास , आनंद (च) परिश्रमी , पराजय (छ) परिश्रमी ही सफलता की कुंजी है।	
ख) उत्तर	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः** चमकीले पीले रंगों में अब डूब रही होगी धरती खेतों - खेतों फूली होगी सरसों , हँसती होगी धरती पंचमी आज , ढलते जाड़ों की इस ढलती दोपहरी में जंगल में नहा , ओढ़नी पीली सुखा रही होगी धरती इसके खेतों में खिलती है सींगरी, मटर, गाजर, कुसुम किसमें कम है यह, पली धूप में सोना धूल भरी धरती चारों दिशाओं की हरियाली से मनमोहक लगेगी धरती वसंत ऋतु की खुशबू से महक रही होगी धरती शहरों की बहू-बेटियाँ हैं सोने के तारों से पीली सोने से गहनों में पीली, यह सरसों से पीली धरती। (क) यहाँ किस ऋतु का वर्णन किया गया है? (ख) कवि को धरती हँसती-सी क्यों लग रही है? (ग) चारों दिशाएँ कैसी लग रही हैं? (घ)खेतों में क्या-क्या खिला है? (ङ)शहर की बहू-बेटियों ने क्या पहना है? (च)धरती किस रंग की दिख रही है? (छ) ‘पृथ्वी’ और ‘वन’ का समानार्थक शब्द गद्यांश में से लिखिए। (क) वसंत ऋतु (ख)धरती में पीली सरसों खिली होने के कारण (ग) हरी भरी और मनमोहक (घ) सींगरी, मटर, गाजर, कुसुम (ङ)सोने के गहने और पीली चुनरी (च)पीली धरती (छ)धरती और जंगल	 **1** **1** **1** **1** **1** **1** **2**
2	**खंड – ख भाषा** क) **निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—** **1**) लिपि किसे कहते हैं? **2**)उर्दू भाषा की लिपि क्या है? **3**) **निम्न के तद्भव रूप लिखिए —** क्षेत्र , निद्रा	 **1** **1** **1**

	4) संज्ञा के कितने रूप होते हैं ? उनके नाम लिखें। **5) निम्न शब्दों का वर्ण विच्छेद करें-** विद्यालय , अज्ञानी ख) **निम्न वाक्य में सर्वनाम रेखांकित करें व उसका भेद बताएँ।** (क) स्वयं पाठ याद करो। (ख) जिसकी लाठी उसकी भैंस। ग)निम्न शब्दों के तत्सम रूप लिखिए— चाँद , गाय घ) प्रमोद कल <u>**कुतुब मीनार**</u> देखने जाएगा। रेखांकित शब्द में .... संज्ञा है।	**2** **2** **2** **1** **1**
उत्तर	**1**)भाषा के लिखने की विधि को लिपि कहते हैं। **2**)देवनागरी **3**)खेत , नींद **4**)तीन। व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा। **5**)व् +इ+ द् +य् +आ +ल् +अ +य् +अ अ+ ज् +ञ् +आ+ न् + ई ख)स्वयं - निजवाचक सर्वनाम जिसक , उसकी- संबंधवाचक सर्वनाम ग)चंद्र , गौ घ)व्यक्तिवाचक संज्ञा	
उत्तर	ङ)**उचित शब्दों का प्रयोग करके रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—** **1**)संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द .... कहलाते हैं। **2**) भाषा को शुद्ध रूप में लिखने और पढ़ने के लिए .... की आवश्यकता होती है। **3**) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को .... कहते हैं। **4**)हिंदी को भारत की राजभाषा .... तिथि को बनाया गया था। **1**)सर्वनाम **2**)व्याकरण **3**)वर्णमाला **4**)**14** सितंबर **1949**	**4**
3	**खंड – ग साहित्य** i) **निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें —** चार बजे यकायक श्यामा की नींद खुली। किवाड़ खुले हुए थे। वह दौड़ी हुई कार्निस के पास आई और ऊपर की तरफ़ ताकने लगी। टोकरी का पता न था। संयोग से उसकी नज़र नीचे गई और वह उलटे पाँव दौड़ती हुई कमरे में जाकर ज़ोर से बोली— **भैया ,** अंडे तो नीचे पड़े हैं, बच्चे उड़ गए। केशव घबराकर उठा और दौड़ा हुआ बाहर आया तो क्या देखता है कि तीनों अंडे नीचे टूटे पड़े हैं और उनसे कोई चूने की - सी चीज़ बाहर निकल आई है। पानी की प्याली भी एक	

	तरफ़ टूटी पड़ी है। (क)यह पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई हैं? (ख)श्यामा की नींद कब खुली? (ग) वह दौड़कर किसके पास गई? (घ) केशव ने बाहर आकर क्या देखा?	1 1 1 2
उत्तर	(क)नादान दोस्त (ख) चार बजे यकायक श्यामा की नींद खुली। (ग) वह दौड़कर अपने भाई केशव के पास गई। (घ) केशव ने बाहर आकर कि तीनों अंडे नीचे टूटे पड़े हैं और उनसे कोई चूने की - सी चीज़ बाहर निकल आई है। पानी की प्याली भी एक तरफ़ टूटी पड़ी है।	
उत्तर	ii) **निम्नलिखित कविता की पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें —** अपने कर से खिला, धुला मुख, धूल पोंछ , सज्जित कर गात, थमा खिलौने , नहीं सुनाती हमें सुखद परियों की बात! ऐसी बड़ी न होऊँ मैं, तेरा स्नेह न खोऊँ मैं। (क)कविता में ‘ ऐसी बड़ी न होऊँ मैं ’ क्यों कहा गया है? (ख)वह किसका स्नेह नहीं खोना चाहती है? (ग)‘ गात ’ शब्द का अर्थ बताइए ? (घ)यह पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं ? इसके कवि का नाम लिखिए। (क)क्योंकि बड़े होने पर माँ अब उसे अपने हाथ से खाना नहीं खिलाती व सजाती नहीं है। खिलौने नहीं लाती और परियों की कहानी भी नहीं सुनाती है। (ख)वह अपनी माँ का स्नेह नहीं खोना चाहती है। (ग)शरीर (घ)मैं सबसे छोटी होऊँ। कवि- सुमित्रानंदन पंत	1 1 1 2
	iii) **निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए। (कोई पाँच)** (क)लेखिका के बचपन के समय और तुम्हारे समय में क्या-क्या अंतर आ चुका है उदाहरण देकर बताइए। (ख)‘चढ़ी नदी का दिल टटोलकर , जल का मोती ले जाती है।’ इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। (ग)अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? (घ)मैं सबसे छोटी होऊँ ’ कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है? बड़ा हो जाने पर माँ किस प्रकार बेटी की देखभाल करना छोड़ देती है? (ङ)लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या	**$2\times5=10$**

उत्तर	कह कर चिढ़ाते थे? (च)'वह चिड़िया जो' कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है? (क)लेखिका के बचपन की कुल्फी अब आइसक्रीम हो गई है। कचौड़ी- समोसा पैटीज़ में बदल गया है। शहतूत, फ़ाल्से और खसखस के शरबत कोक- पेप्सी में। (ख)चिड़िया उफनती नदी में से भी जल की मोती सी बूँदों को चोंच में भर लाती है। वह साहसी है।उसे स्वयं पर गर्व है। (ग)अंडे कितने बड़े होंगे ? किस रंग के होंगे ? कितने होंगे ? क्या खाते होंगे ? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे ? घोंसला कैसा है? (घ) वह माँ के गोदी में निर्भय होकर सोना चाहती है।उसका आँचल पकड़कर चलना चाहती है व उनका साथ नहीं छोड़ना चाहती है। (ङ)उसे दिन की रोशनी में काम करने के बजाए रात में टेबल लैंप के सामने बैठकर काम करना पसंद था। चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें लंगूर कहकर बुलाते थे। (च)चिड़िया को अन्न के नरम दाने खाना, एकांत में मधुर गीत गाना और बहती नदी का पानी पीना बहुत पसंद है।	
उत्तर	iv) **निम्नलिखित प्रश्न का विस्तृत उत्तर दीजिए।** (क)केशव और श्यामा ने अंडों की देखभाल के लिए कार्निस पर क्या-क्या रखा? इस प्रकार उन्होंने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी? **अथवा** नीले पंखों वाली चिड़िया के स्वभाव की विशेषताएँ बताइए। (क)उन्होंने कार्निस पर धोती के चिथड़े से घोंसले में गद्दी तैयार की। उनके खाने के लिए दाना और पानी रखा। टोकरी रखकर उनपर छाया कर दिया। इस प्रकार उन्होंने चिड़िया के अंडों की रक्षा करने का प्रयास किया परंतु अपनी नादानी में उसने उनका सत्यानाश कर दिया।उनके छूने के कारण चिड़ियों ने अपने अंडे घोंसले से गिरा दिए। **अथवा** नीले पंखों वाली चिड़िया को नरम अन्न के दाने खाना पसंद है। वह घने वन में रहती है व मधुर गीत गाती है। उसे एकांत में रहना अच्छा लगता है। उसे बहती नदी का स्वच्छ पानी पीना अच्छा लगता है। वह साहसी है।उसे उफनती नदी का भी भय नहीं है।वह गरवीली चिड़िया है।	**5**
	v) **निम्नलिखित प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए। (कोई दो)** (क)राजा दशरथ के विषय में आप क्या जानते हैं संक्षेप में लिखिए। (ख)राम का विवाह किससे हुआ था ? स्वयंवर की घटना का वर्णन करें। (ग)कैकेयी कौन थी? उसने राजा दशरथ से क्या वरदान माँगा था? उत्तर- क)अयोध्या के राजा ,राम के पिता ,उनकी तीन रानियाँ तथा चार पुत्र थे। वे वीर तथा पराक्रमी थे। उनके राज्य में प्रजा सुखी व संपन्न थी।	**5**

	ख)राम का विवाह किसके साथ हुआ था ? स्वयंवर की घटना का संक्षिप्त वर्णन करें। उत्तर- राम का विवाह सीता के साथ हुआ। राजा जनक के स्वयंवर में प्राचीन धनुष तोड़कर सीता को राम ने प्राप्त किया था। ग)राजा दशरथ की सबसे छोटी रानी थीं उन्होंने राजा से दो वरदान माँगे जिसमें राम को चौदह वर्ष का वनवास और अपने पुत्र भरथ को अयोध्या का राजा बनाना था।	
4	**खंड घ –लेखन** **(i)दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखेंः** **क) मोबाइल फोन के लाभ- हानि** ः भूमिका, आज के युग में मोबाइल फोन की आवश्यकता , समाचार पाना, तुरंत संपर्क संभव, इसके लाभ, इसके प्रयोग से हानियाँ, उपसंहार ख)**मेरे जीवन का लक्ष्य** ः भूमिका,क्या लक्ष्य, लक्ष्य की प्रेरणा, लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास ,जीवन का उद्देश्य, शिक्षा का महत्व, उपसंहार।	**5**
	(ii) अपनी कक्षा की लाईटें , पंखे और डेस्क ठीक करवाने के लिए अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। **अथवा** आप छात्रावास में रहते हैं। गरमियों की छुट्टियों में घर पहुँचने की सूचना देते हुए माता जी को पत्र लिखिए।	**5**
	(iii)**घर की सफ़ाई** के विषय में माँ और पुत्री के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखें।	**5**
	(iv) **किसी दंत मंजन (टूथ पेस्ट) की कंपनी के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए । इसके लिए लगभग 25 शब्दों का प्रयोग कीजिए।**	**5**
	(v)**दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर उसके विषय में लगभग 25 से 30 शब्दों में अपने विचार व्यक्त करें** ः	**5**

i) अनुच्छेद संकेतों के आधार पर विद्यार्थी स्वयं अपनी क्रियात्मक क्षमता के अनुसार लिखेंगे ।

विषयवस्तु 2अंक

भाषा 2अंक

प्रस्तुति 1अंक

ii) पत्र का प्रारूप - 2अंक

भाषा व लेख - 1अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

(iii) विषयवस्तु 2अंक

भाषा 2अंक

प्रस्तुति 1अंक

(iv) विषयवस्तु 2अंक

भाषा 2अंक

प्रस्तुति 1अंक

(v) विषयवस्तु 2अंक

भाषा 2अंक

प्रस्तुति 1अंक